



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 530]
No. 530]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 31, 1984/कार्तिक 9, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 1984/KARTIKA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1984

का०आ० 814(अ)/18कक/आईडीआर/84 —भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 265(अ)/18कक/आईडीआर/78 तारीख 13 अप्रैल, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) में संशोधन काटन मिलन कान्पनी लिमिटेड, कानपुर के संपूर्ण औद्योगिक उपक्रमों अर्थात् (1) में संशोधन काटन मिलन, कानपुर, (2) में संशोधन काटन मिलन, पांडिचेरी, (3) में संशोधन काटन मिलन, नैनी, (4) में संशोधन काटन मिलन, मउनाथ भान (5) में संशोधन उदयपुर काटन मिलन, उदयपुर, और (6) में संशोधन रायवरेली टेक्सटाइल मिलन, रायवरेली का (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है) का प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन 13 अप्रैल 1978 से पांच वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण किया गया था और नेशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन लिमिटेड को उक्त संपूर्ण औद्योगिक उपक्रमों का प्रबंध ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 283(अ)/18कक/आईडीआर/83, तारीख 11 अप्रैल, 1983, का०आ० 525(अ)/18कक/आईडीआर/83, तारीख 27 जुलाई, 1983, का०आ० 41(अ)/18कक/आईडीआर/84, तारीख 30 जनवरी, 1984, का०आ० 334(अ)/18कक/आईडीआर/84, तारीख 30 अप्रैल, 1984 और का०आ० सं० 547(अ)/18कक/आईडीआर/84, तारीख 31 जुलाई, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 31 अक्टूबर, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 30 अप्रैल, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये प्रभावी बना रहे;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त, आदेश, 30 अप्रैल, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिये प्रभावी बना रहेगा।

[का०सं० 3(6)/78-मी यू एन]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st October, 1984

S. O. 814(E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the Order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 265(E)|18AA|IDRA|78 dated the 13th April, 1978 (hereinafter referred to the said Order), the management of the whole of the industrial undertakings, namely (i) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, (ii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry, (iii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Maunath Bhanjan, (v) Messrs Udaipur Cotton Mills, Udaipur and (vi) Messrs Rae Bareilly Textile Mills, Rae Bareilly of Messrs Swadeshi Cotton Mills Company Limited Kanpur (hereinafter referred to as the said undertakings) were taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation), Act 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the 13th April, 1978 and the National Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the whole of the industrial undertakings;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 283(E)|18AA|IDRA|83, dated the 11th April, 1983, S. O. 525(E)|18AA|IDRA|83, dated the 27th July, 1983, S. O. 41(E)|18AA|IDRA|84 dated the 30th January, 1984 S. O. 334(E)|18AA|IDRA|84 dated the 30th April 1984, and S.O. No. 547(E)|18AA|IDRA|84 dated the 31st July, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 31st October, 1984;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th April, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th April, 1985.

[F. No. 3(6)|78-CSM]

कांआं 815(अ)/18चख/आई डी आर ए/84 — केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कांआं 277(अ)/18चख/आई डी आर ए/78 तारीख 20 अप्रैल, 1978 द्वारा (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किये जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रयुक्त सभी मंविशओं, संरक्षित हस्ताक्षर पत्रों, करारों परित्यागों, पंजाबों स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का (उनमें निम्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रोद्भूत

दायित्वों से संबंधित हैं) अगिका मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स कंपनी लिमिटेड कांआं के (1) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, कांआं, (2) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, पॉन्डिचेरी, (3) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, नैनी, (4) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, मऊनाथ भंजान, (5) मैसर्स उदयपुर काटन मिल्स, उदयपुर, और (6) मैसर्स रायबरेली टेक्स्टाइल मिल्स, रायबरेली नामक औद्योगिक उपक्रम पक्षकार हैं या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रमों को लागू हैं, प्रवर्तन ऐसी तारीख से एक वर्ष का अवधि के लिये निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उक्त अवधि प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिये निलम्बित रहेंगे,

और, केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जनसाधारण के हित में यह आवश्यक है कि उक्त आदेश पूर्णतः एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहे, 31 जुलाई 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिये ऐसे ऐसे रहने की समय-समय पर घोषणा की हो, दक्षिण भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कांआं 209/18चख/आई डी आर ए/79, तारीख 16 अप्रैल, 1979, कांआं 262(अ)/18चख/आई डी आर ए/80, तारीख 17 अप्रैल, 1980, कांआं 305(अ)/18चख/आई डी आर ए/81, तारीख 20 अप्रैल, 1981, कांआं 272(अ)/18चख/आई डी आर ए/82, तारीख 20 अप्रैल, 1982, कांआं 284(अ)/18चख/आई डी आर ए/83, तारीख 11 अप्रैल, 1983, कांआं 526(अ)/18चख/आई डी आर ए/83, तारीख 27 जुलाई, 1983, कांआं 42(अ)/18चख/आई डी आर ए/84, तारीख 30 जनवरी, 1984 और कांआं 335(अ)/18चख/आई डी आर ए/84, तारीख 30 अप्रैल, 1984 और कांआं 548(अ)/18चख/आई डी आर ए/84, तारीख 31 जुलाई, 1984,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 30 अप्रैल, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये बढ़ा दी जाये,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (2) के अन्तर्गत पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि 30 अप्रैल, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिये बढ़ा दी है।

[कांआं 3(6)/78-सी यू एस]

ए०पी० सरवन, सयुक्त सचिव

S. O. 815(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 277(E)|18FB|IDRA|78, dated the 20th April, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation or all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force, immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertakings known as (i) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, (ii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry, (iii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Maunath Bhanjan, (v) Messrs Udaipur Cotton Mills, Udaipur, and (vi) Messrs Rae Bareilly Textile Mills, Rae Bareilly of

Messrs Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur, are parties or which may be applicable to such industrial undertakings shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is necessary in the interest of the general public that the said order should continue to have effect after the expiry of the period of the aforesaid Order had declared from time to time for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st October, 1984, vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 209(E)|18FB|IDRA|79, dated the 16th April, 1979, S.O. 262(E)|18FB|IDRA|80, dated the 17th April, 1980, S.O. 305(E)|18FB|IDRA|81, dated the 20th April, 1981, S.O. 272(E)|18FB|IDRA|82, dated the 20th April, 1982,

S.O. 284(E)|18FB|IDRA|1983, dated the 11th April, 1983, S.O. 526(E)|18FB|IDRA|83, dated the 27th July, 1983, S.O. 42(E)|18FB|IDRA|84, dated the 30th January, 1984, S.O. 335|18FB|IDRA|84, dated the 30th April, 1984 and S.O. 548(E)|18FB|IDRA|84, dated the 31st July, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 30th April, 1985:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 30th April, 1985.

[File No. 3(6)78-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

OF GREAT BRITAIN AND IRELAND
 VOL. LXXV. PART I. 1905.
 LONDON: PUBLISHED BY THE INSTITUTE.
 1905.

